Shortage of Salt due to Inadequate arrangements for Transport

*529. SHRI K. LAKKAPPA: Will the Minister of INDUSTRY be pleased to state:

(a) whether India is self-sufficient in salt production;

(b) quantity of salt produced during the last two years;

(c) whether shortages are felt in respect of supplies of salt in some regions;

(d) if so, whether such shortages are due to inadequate transport arrangements; and

(e) the steps Government propose to take to remedy the above situation?

THE MINISTER OF INDUSTRY (SHRI GEORGE FERNANDES): (a) Yes, Sir.

(b) The production of salt in the country during the last two years was as under:—

Year	Production
1976	40.76 lakh tonnes
1977	43.28 lakh tonnes

(c) to (e). According to the assessment made, the monthly average loading of 10,721 wagons was required during the period from January to June, 1978 from broad and metre gauge stations on different railways to meet the edible salt requirement of States under the zonal scheme but the actual loading of edible salt on account of licensed and unlicensed salt manufacturers from broad and metre gauge stations on different railways was 11,114 wagons per month during this period. There should therefore be no shortage of edible salt due to inadequate transport arrangements.

Effect of Trombay Effluents on Salt Prepared from Sea-Water

*530. SHRI YASHWANT BOROLE: Will the Minister of ATOMIC ENERGY be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the edible salt prepared from sea-water in Bombay is getting radio active due to Trombay effluent; and

(b) if so, what steps Government have taken or are going to take in this regard?

THE PRIME MINISTER (SHRI MORARJI DESAI): (a) Edible salt is prepared by refining the salor evaporated crude salt. This is, therefore, radioactive because of the presence of naturally occurring radioactive potassium in it. The radioactivity observed is less than 1/10,000 of the maximum permissible limit. This has no relation to any of the activities of the Department of Atomic Energy.

(b) Government has been keeping a close watch on the radioactivity content of the solar evaporated crude salt for the last 20 years and there is no cause for concern in this regard.

Daily Broadcasting of Nepali News Bulletin by Gauhati All India Radio Station

*531. SHRI K. B. CHETTRI: Will the Minister of INFORMATION AND BROADCASTING be pleased to state:

(a) whether Nepali regional news is broadcast only two days in a week from Gauhati All India Radio Station;

(b) if so, the reasons thereof;

(c) whether the daily broadcast of Nepali regional news is under the consideration of the Government; and

(d) if not, the reasons thereof?

THE MINISTER OF INFORMATION AND BROADCASTING (SHRI L. K. ADVANI): (a) to (d). Though regional news in Nepali language is broadcast only twice a week, Gauhati Station relays daily Nepali news bulletins of the External and Home News Bulletins. In addition, the two regional news broadcast in Assamese also serve the listeners, including the Nepalis. Any change will adversely affect the programme content of the Gauhati Station which has already a high quantum of news.

गुजरात के लिए योजना परिव्यय में कमी

*532. श्री अर्जनसिंह भाई पटेल : क्या योजना मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या केन्द्रीय सरकार ने गुजरात सरकार से कहा है कि वह राज्य की छठी पंचवर्षीय योजना के प्रस्तावों के लिए वित्तीय व्यवस्था में लगभग 460 करोड़ रु० की कमी करे ; और यदि हां, तो कब तथा उसके क्या कारण हैं ;

(ख) क्या केन्द्रीय सरकार ने पहले गुजरात सरकार से कहा था कि वह छठी पंचवर्षीय योजना के लिए लगभग 2375 करोड़ रुपयों के प्रस्ताव तैयार करे तथा बाद में यह कहा कि 2375 करोड़ रुपयों के बजाय 1975 करोड़ रुपयों के प्रस्ताव प्रस्तुत करे और यदि हां, तो उसके क्या कारण हैं; और

(ग) गुजरात सरकार द्वारा केन्द्रीय सरकार को राज्य की छठी पंचवर्षीय योजना के लिए कितनी धनराशि के प्रस्ताव अंतिम रूप से प्रस्तुत किए गए तथा किस तिथि को प्रस्तुत किए गए ।

प्रधान मंत्री (श्री मोरारजी देसाई) : (क) और (ख). जी, नहीं । 1978–83 की पंचवर्षीय योजना के लिए प्रस्ताव तैयार करने के संबंध में मार्गदर्शी सिद्धांतों में, गुजरात की राज्य योजना के लिए परिव्यय के 1915 करोड़ रु० के प्रारंभिक और अस्थाई आंकड़े बताए गए थे । केवल यही एकम संख्या है जो गुजरात सरकार को सूचित की गई है ।

(ग) गुजरात राज्य सरकार से प्रस्ताव अब तक प्राप्त नहीं हुए हैं ।

रिज मैदान, शिमला में भाषण

4939. डा० रामजी सिंह : क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या भूतपूर्व स्वास्थ्य मंत्री, श्री राज नारायण से किसी सरकारी अधिकारी ने रिज मैदान, शिमला में भाषण न देने के लिये कहा था ;

(ख) क्या उस मैदान में भाषण देने पर प्रतिबन्ध है, यदि हां, तो उसके क्या कारण हैं ; और

(ग) क्या वहां कभी किसी नेता ने कोई भाषण दिया है ?

गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री ब्रजिक लाल मण्डल) : (क) और (ख). हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा भेजी गई सूचना के अनुसार उप-आयुक्त तथा पुलिस अधीक्षक शिमला ने श्री राज नारायण को स्पष्ट किया था रिज का प्रयोग केवल सांस्कृतिक, धार्मिक तथा सरकारी समारोहों के लिए ही किया जाता है और रिज पर राजनीतिक दलों को सभा करने की अनुमति नहीं दी जाती है । बहुत समय से चली आ रही परम्परा के अनुसार राजनीतिक सभाओं के करने की अनुमति नहीं दी जाती है क्योंकि शिमला एक पर्यटक केन्द्र है और रिज, हिल स्टेशन का एक महत्वपूर्ण मैदान है तथा माल रोड के निकट केवल एक मात्र ऐसा स्थान है जहां पर्यटक और आसपड़ोस के निवासी घूम फिर सकते हैं और आराम कर सकते हैं ।